'गुर्दा रोग' विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं ए0पी0आई0 (गोरखपुर) की संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुई। **मुख्य वक्ता डा0 के0एन0 सिंह (वरिष्ठ परामर्श चिकित्सक नेफ्रोलोजी–इन्द्र प्रस्थ अपोलो हास्पिटल, नई दिल्ली)** ने गुर्दा रोग पर विस्तृत प्रकाश डालते हुये कहा कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर जीवन शैली, खान–पान तथा वातावरण के विपरीत प्रभाव से गुर्दा रोग हो सकता है। कुछ रोग जैसे ब्लड प्रेशर, मधुमेह भी जब नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं तो गुर्दा रोग होने की सम्भावना बढ़ती है। अतः इस रोग से मुक्त रहने के लिए नियमित जीवन शैली के साथ स्वास्थ्य जॉच आवश्यक है।

डा0 सुजीत कुमार (वरिष्ठ परामर्श चिकित्सक अंग प्रत्यारोपण, अपोलो इन्द्रप्रस्थ हास्पिटल) ने गुर्दा प्रत्यारोपण तथा सर्जरी पर अपने विचार रखें। डा0 अरविन्द तिवारी (वरिष्ठ यूरोलोजिस्ट, गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं आदित्य हास्पिटल) ने किडनी स्टोन एवं अन्य अवरोधों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का उद्घाटन चिकित्सालय के **निदेशक ब्रिगेडियर(डा0) के.पी.वी. सिंह** ने दीप प्रज्वलन कर किया। स्वागत भाषण डा0 सी.यम. सिन्हा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने दी तथा धन्यवाद ज्ञापन डा0 आर0 यस गोयल ने दी। कार्यक्रम की संचालन मे मुख्य भूमिका डा0 राजीव श्रीवास्तव (वरिष्ठ परामर्श चिकित्सक गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय) की रही। इस संगोष्ठी कार्यक्रम में शहर एवं कमिश्नरी के तमाम वरिष्ठ परामर्श चिकित्सकों की भागीदारी रहीं। यहॉ का वातावरण चिकित्सीय शिक्षण संस्थान के रूप में प्रदर्शित हो रही थी।